एक मक्खी का नाम बदलने को है

जीव विज्ञान की किसी भी पाठ्य पुस्तक में इस मक्खी का नाम ज़रूर मिलेगा। दरअसल जिनेटिक्स अनुसंधान में *ड्रॉसोफिला मेलेनोगेस्टर* का नाम सर्वोपरि है। सड़े-गले फलों पर भिनभिनाने वाली यह मक्खी बोलचाल की भाषा में फ्रूट फ्लाई कहलाती है। अब इसका जीव वैज्ञानिक नाम बदलने की तैयारी चल रही है।

पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं के आम बोलचाल के नामों में बहुत विविधता होती है जिसके कारण जीव विज्ञान अनुसंधान में काफी दिक्कतें आती थीं। इन दिक्कतों को दूर करने के लिए ही करीब 350 साल पहले कार्ल लीनियस ने सजीवों के नामकरण की एक द्विनाम पद्धति अपनाई थी जो आज भी प्रयुक्त की जाती है। इसमें हर जीव के नाम के दो हिस्से होते हैं - पहला उसकी जीनस बताता है और दूसरा प्रजाति।

वैसे तो कई बार प्रजातियों के नाम बदले जाते रहे हैं मगर उन पर कभी किसी का ध्यान भी नहीं जाता। मगर *ड्रॉसोफिला मेलेनोगेस्टर* की बात कुछ अलग है। इसका नाम न सिर्फ जीव विज्ञान की पाठ्य पुस्तकों में प्रमुखता से दिखता है, बल्कि कम से कम 50,000 शोध पत्रों में भी इसका उल्लेख है। इसलिए इसका नाम बदलना एक प्रमुख कदम होगा।

आखिर नाम बदलने की ज़रूरत क्यों पड़ी? समस्या दरअसल यह है कि *ड्रॉसोफिला* नामक जीनस काफी सारी प्रजातियों से मिलकर बना है और इन प्रजातियों में बहुत अलग-अलग स्तर की समानता है। वैज्ञानिक काफी समय से जानते हैं कि वास्तव में *ड्रॉसोफिला* कोई जीनस है ही नहीं। *ड्रॉसोफिला* और *सोफोफोरा* जीनस नहीं बल्कि उप-जीनस हैं और ये परस्पर बहुत सम्बंधित नहीं है। जीव वैज्ञानिकों की प्रिय मक्खी *सोफोफोरा* जीनस की प्रजातियों से ज़्यादा मेल खाती है। अब जीव वैज्ञानिकों के सामने दो ही रास्ते हैं। या तो उप-जीनस *सोफोफोरा* को पूर्ण जीनस का दर्जा दें और उक्त मक्खी को इस जीनस में शामिल करें। या *ड्रॉसोफिला* जीनस के कई उप-जीनस बनाएं जिनमें से एक *सोफोफोरा* हो और उसमें यह मक्खी रखी जाए। किसी भी तरह करें, *ड्रॉसोफिला मेलेनोगेस्टर* का नया नाम *सोफोफोरा मेलेनोगेस्टर* होगा।

इस नाम परिवर्तन पर वैज्ञानिकों के बीच अच्छी-खासी बहस छिड़ी है। ऐसा लगता है कि होगा यह कि अधिकारिक तौर पर नाम बदल दिया जाएगा मगर कामकाज में पुराने नाम का उपयोग होता रहेगा। एक मच्छर के मामले में भी यही हुआ था। मच्छर का नाम *एडीस एजिप्टी* से बदलकर *स्टेगोमिया एजिप्टी* कर दिया गया था मगर अधिकांश साहित्य में आज भी *एडीस* नाम ही चलता है। वैसे भी नाम में क्या रखा है? ***(स्रोत फीचर्स)***